ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

बापदादा ने देखा मैजारिटी आने वाले बच्चों की दिल में उमंग-उत्साह है कि हमें बाप को प्रत्यक्षकरना ही है। चाहे सूरत से सूरत की सीरत से चाहे वाणी से चाहे कोई भी आत्मायें सम्बन्ध-सम्पर्क में हैं आजकल आपकी मन्सा आत्माओं के कल्याण की भावना से आपके कनेक्शन में आ रही हैं और आने भी चाहती हैं। और जो बापदादा ने मन्सा सेवा का कार्य दिया है उसमें भी देखा कि जो योगयुक्त होकर मन्सा सेवा का अभ्यास करते हैं तो अभी यह वायुमण्डल चारों ओर किसी न किसी को पहुंच रहा है कि हमें कहाँ से लाइट की किरणें सुख शान्ति की लहर आ रही है लेकिन कहाँ से आ रही है अभी वह स्पष्ट नहीं हुआ है। इसके लिए जो विघ्न पड़ता है पहुंचने में स्पष्ट होने में कारण बनता है योग लगाते हो अमृतवेले बैठते हो लेकिन ज्वालामुखी योग उसकी कमी है। इसके कारण एक तो जिन भक्तों को या आत्माओं को आप किरणें भेजते हो वह इतनी स्पष्ट नहीं होती हैं। और दूसरा ज्वालामुखी अग्नि स्वरूप योग की शक्ति न होने में या कमी होने में संस्कार जो बीच में विघ्न डालते हैं वह संस्कार भी समाप्त नहीं होते हैं। पुरूषार्थ करते हो संस्कार परिवर्तन हो जाये लेकिन मरते हैं जलते नहीं हैं। जैसे रावण को सिर्फ मारते नहीं हैं मारने के बाद जलाते हैं क्योंकि मारने के बाद शरीर तो रह जाता है ना! तो ऐसे ही आप अमृतवेले याद में बैठते हो लेकिन योग अग्नि रूप में ज्वाला रूप में कम है। मिलन मनाते हो रूहरिहान करते हो अपने जीवन की बातें भी करते हो। लगातार योग अग्नि रूप हो संस्कार को मारते जरूर हो लेकिन वह मरता है लेकिन बीच-बीच में उठ जाता है। जल जायेगा तो नाम रूप खत्म हो जायेगा।

AMRITVELA

BapDada has seen that the majority of the children who have come have zeal and enthusiasm in their hearts: We are definitely going to reveal the Father - with your face, with the character of your face, through words, with connection and relationship to any soul. Nowadays, by your serving souls with the benevolent feelings of your mind, souls are coming into connection with you and want to come into connection with you. It has been seen that, in the task which BapDada has given you of serving through your mind, when you practise serving with your mind whilst being yogyukt, you definitely enable these vibrations to reach someone or other; they feel that rays of light and waves of happiness and peace are coming to them from somewhere, but it is not clear to them where these are coming from. **The thing that creates an obstacle in this, that becomes a reason for not reaching them clearly, is that you have yoga, you sit for Amrit vela, but volcanic yoga is lacking. Because of this, the devotees and souls to whom you send these rays do not receive them so clearly. Secondly, because of your not having or because you lack the power of yoga of the volcanic fire, the sanskars that create an obstacle in between cannot be finished. You make effort for the sanskars to be transformed, and these sanskars do die, but they do not get burnt. It is just as Ravan is not only killed but after he has been killed, he is burnt, because even after he is killed, his body still remains. In the same way, you sit for remembrance at Amrit vela, but the yoga of the form of fire, the volcanic form of fire, is lacking. You celebrate a meeting, you have a heart-to-heart conversation, and you also talk about the things in your life. You have a constant fire of yoga. You definitely do kill the sanskars, and those sanskars do die, but they get up again every now and then. When they are burnt, their name and form will finish.**

Brahma Kumaris
Daily Vichar

जिनका स्वभाव अच्छा होता है,
उन्हें कभी प्रभाव दिखाने की
जरूरत नहीं होती।
खेल चाहे जितने भी बदल लीजिए,
किन्तु ध्यान हमेशा
लक्ष्य पर होना चाहिए।

Bk. Naveen Sethi
Om Shanti

कोई बददुआ दे तो क्या करना है?

बापदादा- 15.12.2004

दुआयें लेते जाओ दुआयें देते जाओ सम्पन्न हो जायेंगे। कोई बद-दुआ देवे तो क्या करेंगे? लेंगे? बददुआ आपको देता है तो आप क्या करेंगे? लेंगे? अगर बद-दुआ मानों ले लिया तो आपके अन्दर स्वच्छता रही? बददुआ तो खराब चीज़ है ना! आपने ले ली, अपने अन्दर स्वीकार कर ली तो आपका अन्दर स्वच्छ तो नहीं रहा ना! अगर ज़रा भी ड़िफेक्ट रहा तो परफेक्ट नहीं बन सकते। खराब चीज़ कोई देवे तो आप ले लेंगे, कोई बहुत सुन्दर फल लेकिन आपको खराब हुआ दे देवे, फल तो बढ़िया है फिर ले लेंगे? लेंगे, नहीं लेगें ना कि कहेंगे अच्छा तो है चलो दे दिया है। कभी भी कोई बद-दुआ दे तो आप मन में अन्दर धारण नहीं करो। समझ में आता है यह बद-दुआ है लेकिन बददुआ अन्दर धारण नहीं करो, नहीं तो ड़िफेक्ट हो जायेगा।

अगर मानों कभी बद-दुआ का प्रभाव पड़ भी जावे ना तो 10 गुणा दुआयें ज्यादा दे करके उसको खत्म कर देना। एक बद-दुआ के प्रभाव को 10 गुणा दुआयें देके हल्का कर देना फिर हिम्मत आ जायेगी। नुकसान तो अपने को होता है ना, दूसरा तो बद-दुआ देके चला गया लेकिन जिसने बद-दुआ समा ली, दुःखी कौन होता है? लेने वाला या देने वाला? देने वाला भी होता है लेकिन लेने वाला ज्यादा होता है। देने वाला तो अलबेला होता है। बापदादा के दिल की आशा - हर बच्चा दुआयें देता रहे आज बापदादा अपने दिल की विशेष आशा सुना रहे हैं। बापदादा की सभी बच्चों के प्रति एक-एक बच्चे के प्रति चाहे देश, चाहे विदेश में हैं, चाहे सहयोगी हैं क्योंकि सहयोगियों को भी परिचय तो मिला है ना। तो परिचय मिला है तो प्राप्ति तो करनी चाहिए ना परिचय से। तो यही बापदादा की आशा है कि हर बच्चा दुआयें देता रहे। दुआओं का खजाना जितना जमा कर सको उतना करते जाओ क्योंकि इस समय जितनी दुआयें इकट्ठी करेंगे, जमा करेंगे उतना ही जब आप पूज्य बनेंगे तो आत्माओं को दुआयें दे सकेंगे। सिर्फ अभी दुआयें आपको नहीं देनी है, द्वापर से लेके भक्तों को भी दुआयें देनी हैं। तो इतना दुआओं का स्टॉक जमा करना है। राजा बच्चे हो ना! बापदादा हर एक बच्चे को राजा बच्चा देखते हैं। कम नहीं।

भगवान बाप पढ़ाते हैं, उसमें तो एक दिन भी मिस नहीं होना चाहिए। ऐसी-ऐसी पॉइंट्स निकलती हैं जो तुम्हारा वा किसी का भी कपाट खुल सकता है। आत्मा क्या है, परमात्मा क्या है, कैसे पार्ट चलता है, इसे समझने में टाइम चाहिए। पिछाड़ी में सिर्फ यही याद रहेगा कि अपने को आत्मा समझ बाप को याद

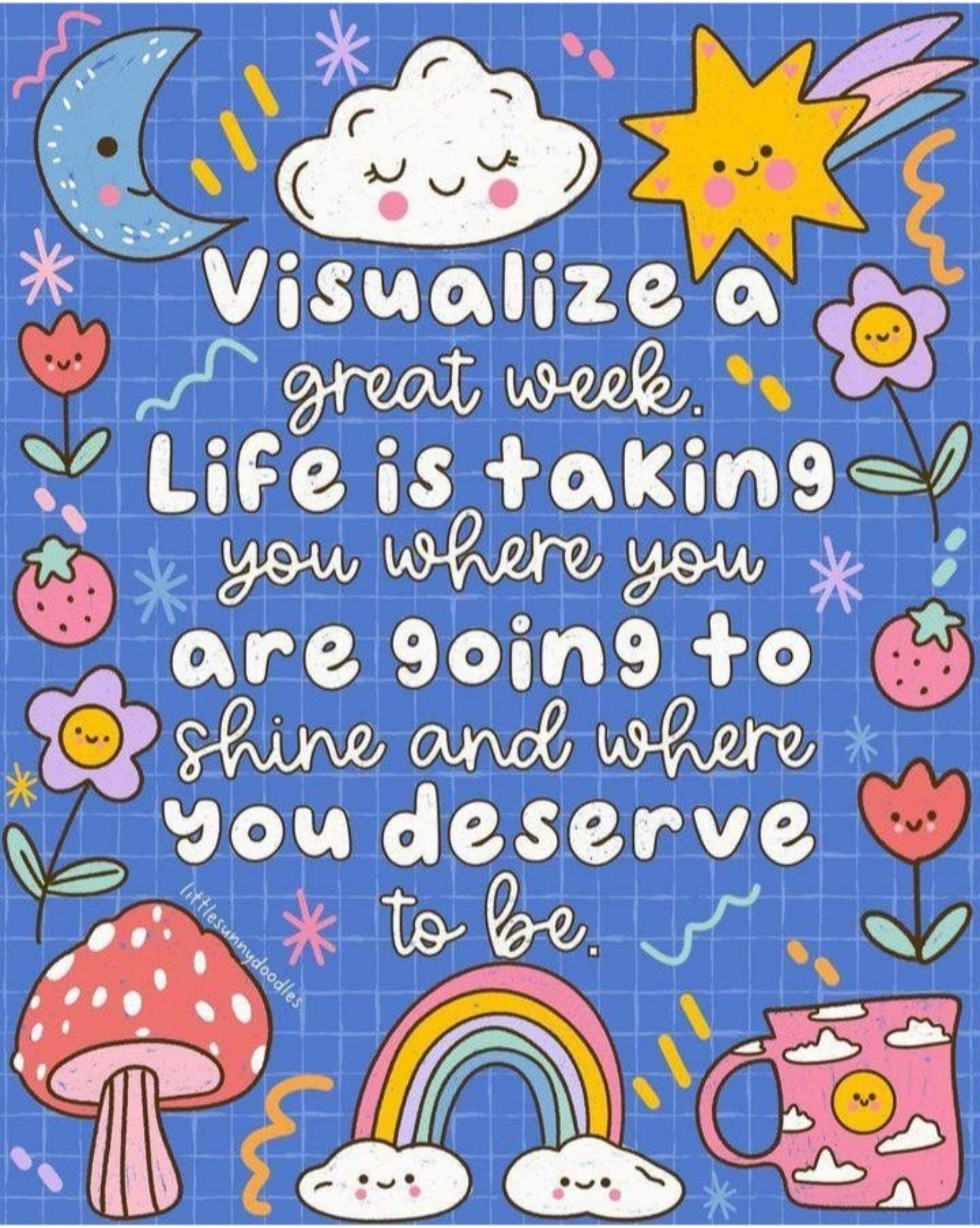
Visualize a great week.
Life is taking you where you are going to shine and where you deserve to be.
littlesunnydoodles

Gratitude's increases
the natural flow of health
to the mind & body.
Being Bliss
words can inspire the world
facebook.com/worldbeingbliss | instagram.com/worldbeingbliss

Smiles are great investments, the more you collect, the better you feel.

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org